वर्ष 2019–20 के दौरान राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की द्वारा किए गए हिंदी कार्यों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी समस्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। संस्थान संघ की राजभाषा नीति के व्यापक प्रचार–प्रसार तथा समुचित कार्यान्वयन के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के सिलसिले में संस्थान रोजमर्रा के सामान्य काम–काज के साथ–साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी राजभाषा हिंदी को समुचित बढ़ावा दे रहा है। संस्थान में 80 प्रतिशत से भी अधिक पदाधिकारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। इसलिए उसे भारत सरकार द्वारा राजभाषा नियम 10(4) के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने के पूरे प्रयास किए जाते हैं। राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों के मन में एक सार्थक सोच विकसित हो और इस दिशा में उनकी रूचि बढ़े, इसके लिए राजभाषा विभाग तथा जल शक्ति मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार कर्मचारियों के लिए "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी" प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसके अलावा संस्थान में बेहतर एवं सर्वाधिक हिंदी कार्य करने वाले प्रभाग/अनुभाग/क्षेत्रीय केंद्र के लिए राजभाषा चल शील्ड पुरस्कार योजना भी प्रारंभ की गई है।

संस्थान में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान परिसर में लगे सभी साइन बोर्डों एवं नाम पट्टों को द्विभाषी रूप में बनवाया गया है। रबड़ की मोहरें, रजिस्टर, फाइल शीर्ष तथा मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं तथा इन्हें प्रयोग में भी लाया जा रहा है।

वर्ष 2019–2020 के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार–प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियां इस प्रकार हैं :–

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के रूडकी स्थित सदस्य संगठनों के पदाधिकारियों के लिए संस्थान द्वारा दिनांक 29 अप्रैल, 2019 को हिंदी यूनिकोड कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 11 संस्थानों के 40 पदाधिकारियों ने भाग लिया।

- नराकास हरिद्वार द्वारा दिनांक 11 जुलाई, 2019 को आयोजित ''राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता'' में संस्थान के तीन कर्मचारियों को प्रतिभागिता हेतु नामित किया गया।
- संस्थान के तीन पदाधिकारियों ने नराकास हरिद्वार के तत्वाधान में कॉर्पोरेशन बैंक द्वारा दिनांक 02 अगस्त, 2019 को आयोजित ''राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन'' में प्रतिभाग किया।
- संस्थान में राजभाषा विभाग द्वारा लागू ''सरकारी कामकाज मूलरूप से हिंदी में करने'' संबंधी प्रोत्साहन योजना के तहत दिनांक 15 अगस्त, 2019 को संस्थान के 10 पदाधिकारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।
- संस्थान में दिनांक 15 अगस्त, 2019 से 14 सितंबर, 2019 तक हिंदी मास का आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी की सात प्रतियोगिताएं आयोजित की गई तथा बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का विमोचन भी किया गया।
- नराकास हरिद्वार द्वारा दिनांक 27 अगस्त, 2019 को आयोजित 28वीं अर्धवार्षिक बैठक में निदेशक राजसं सहित चार पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के रूडकी स्थित सदस्य संगठनों के पदाधिकारियों के लिए आई.आई.टी रूड़की द्वारा दिनांक 06 नवम्बर, 2019 को आयोजित हिंदी यूनिकोड कार्यशाला में संस्थान के 10 कर्मचारियों को नामित किया गया।
- बी.एच.ई.एल हरिद्वार द्वारा दिनांक 15 नवम्बर, 2019 को ''चित्र देखो–कहानी लिखो'' प्रतियोगिता में संस्थान के तीन कर्मचारियों ने भाग लिया।
- संस्थान के दो पदाधिकारियों ने नराकास हरिद्वार द्वारा दिनांक 28 नवम्बर, 2019 को आयोजित ''राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन'' में प्रतिभाग किया।
- संस्थान द्वारा अपनी हिंदी गृह पत्रिका प्रवाहिनी के एक अंक तथा तकनीकी पत्रिका जल चेतना के दो अंक प्रकाशित किए।
- संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 75वीं, तथा 76वीं तिमाही बैठकें क्रमशः 20 सितंबर, 2019 तथा 24 दिसंबर, 2019 को निदेशक राजसं की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में राजभाषा संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के संदर्भ में भावी कार्य योजनाएं तैयार की गई।
- संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''भारत सरकार की राजभाषा नीति, नोटिंग/ड्राफ्टिंग, हिंदी पत्र लेखन, कम्प्यूटर पर हिंदी कार्य, प्रोत्साहन योजनाएं, प्रयोजनमूलक हिंदी आदि विषयों पर दिनांक 27 सितंबर, 2019, तथा 19 दिसंबर, 2019 को हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 74 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- संस्थान में दिनांक 16–17 दिसंबर, 2019 को ''जल संसाधन एवं पर्यावरण'' विषय पर 6वीं राष्ट्रीय जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया !
- नराकास हरिद्वार के तत्वाधान में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश द्वारा दिनांक 30 जनवरी, 2020 को आयोजित 29वीं अर्धवार्षिक बैठक में निदेशक राजसं सहित तीन पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया।